भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3177

गुरूवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सिंधु घाटी सभ्यता पर्यटन परिपथ का विकास किया जाना

3177 श्री सामिक भट्टाचार्य:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार सिंधु घाटी सभ्यता के स्थलों, जिनमें धोलावीरा, लोथल, सुरकोटदा, राखीगढ़ी, कालीबंगा और मिथाथल तथा तिगराणा जैसे छोटे स्थल शामिल हैं, को प्रदर्शित करने के लिए एक विस्तृत पर्यटन परिपथ स्थापित करने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हां, तो प्रस्तावित पर्यटन परिपथों की समय-सीमा और ब्यौरा क्या है, जिसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास और प्रचार रणनीतियां शामिल हैं;

(ग) क्या इन परिपथों को विकसित करने के लिए राज्य सरकारों और पुरातत्व विशेषज्ञों के साथ कोई व्यवहार्यता अध्ययन या परामर्श किया गया है; और

(घ) पर्यटन क्षमता को बढ़ाते हुए इन ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण स्थलों के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटक स्थलों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से गुजरात में विरासत पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों की सहायता' नामक अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से गुजरात राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत, पर्यटक स्थलों के विकास हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों से प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। परियोजनाओं की समीक्षा और स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है जिसे योजना दिशा-निर्देशों में निर्धारित प्रक्रियाओं और अपेक्षाओं के अनुसार निष्पादित किया जाता है।

अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से देश में पर्यटन स्थलों की जानकारी का संवर्धन किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों, हितधारकों की सहायता, प्रदर्शनियों में भागीदारी तथा वेबसाइट और सोशल मीडिया सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से गुजरात में विरासत स्थलों के साथ-साथ देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल को नया रूप दिया है जो उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फिल्मों, ब्रोशर, समाचार पत्रों आदि का एक व्यापक डिजिटल भंडार है और जो विरासत स्थलों से संबंधित प्रचार सामग्री को भी उजागर करता है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, धोलावीरा, लोथल, सुरकोटडा, राखीगढ़ी, कालीबंगा सहित संरक्षित स्मारकों/स्थलों को उनकी आवश्यकता और वार्षिक निष्पादन कार्यक्रम के अनुमोदन के अनुसार संरक्षित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

*****